an>

Title: Need to allocate adequate funds for Kumbh Mela 2014 at Tryambakeshwar in Maharashtra.

श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण (दिंडोरी) : माननीय अध्यक्ष महोदया, धन्यवाद। मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूँ कि कुंभ मेला पृथ्वी पर सबसे बड़ा धार्मिक उत्सव है। यह मेला हर तीन साल के बाद नासिक, इलाहाबाद , उज्जैन, हरिद्वार में बारी-बारी से मनाया जाता है। कुंभ मेला उत्सव नासिक और त्र्यम्बकेश्वर में हर बारह वर्ष के बाद एक बार आयोजित होता है। यह देश और दुनियाभर के करोड़ों भक्तों को आकर्षित करता है। दक्षिण गंगा मानी जाने वाली गोदावरी नदी का मूल त्र्यम्बकेश्वर, जो नासिक से मात्र 38 किलोमीटर पर स्थित है।

माननीय अध्यक्ष : आप जितना कहना चाहते हैं, बस उतनी ही बात कहें।

श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण : भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से यह एक पवित्र शहर है। कुंभ मेले के प्रारंभ होने में सिर्फ 349 दिन बाकी रह गये हैं। इन दिनों में साधु ग्राम पूबंध, परिवहन, बिजली, स्वास्थ्य, राशन, आवास, पीने का पानी एवं मल-मूत्र की व्यवस्था के लिए आज तक इस दिशा में कोई तैयारी नहीं हुई है। आने वाला कुंभ मेला बरसात के मौसम में आने के कारण वहाँ कीचड़ भरा रहेगा। इस कारण लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ सकता है। पिछले कुंभ मेले में भगदड़ के कारण 39 लोगों की मृत्यु हुई थी। इस कुंभ मेले में साढ़े तीन से चार लाख साधु-महंत और लगभग एक करोड़ से ज्यादा भक्तों के आने की संभावना है। लेकिन आज तक कुंभ मेले के लिए जो सरकार की तरफ से आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए थी, वह अभी तक नहीं मिली है। इस कुंभ मेले के आयोजन के लिए कुल दो हजार तीन सौ अठहत्तर करोड़ रुपये की आवश्यकता है। यह पवित्र उत्सव करोड़ों भक्तों की आस्था का उत्सव है। इसके लिए मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करता हूँ कि जल्द से जल्द इस धनराशि का प्रबंध करें।